अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BHOPAL

Saket Nagar, Bhopal (M.P.) – 462020

(जन सम्पर्क प्रकोष्ठ)

प्रेस विज्ञप्ति

(दिनांकः26 नवम्बर 2020)

एम्स, भोपाल में विश्व एंटिबायोटिक जागरुकता सप्ताह (WAAW-2020) मनाया गया ।

नवम्बर माह में विश्व एंटिबायोटिक जागरुकता सप्ताह व्यापक रूप में मनाया जाता है। इसे एंटिमाइक्रोबियल प्रतिरोध (AMR) की समस्या जैसेः– एंटिबायोटिक्स/एंटिमाइक्रोबियल्स के दुरूपयोग (जो कि संक्रमण के उपचार में उनके प्रभाव को कम करने के लिए उत्तरदायी है) पर जागरुकता में वृद्धि के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। औषध प्रतिरोधी संक्रमणों को को फैलने से रोकने के लिए स्वास्थ्य देखभालकर्मियों के साथ साथ जन साधारण के लिए भी एंटिबायोटिक्स के उपयोग के दौरान अच्छी आदतों को अपनाना अति महत्वपूर्ण है।

दिनांक 18 से 24 नवम्बर 2020 तक एम्स, भोपाल में विश्व एंटिबायोटिक जागरुकता सप्ताह बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। डॉ. सरमन सिंह, निदेशक एवं सीईओ, एम्स, भोपाल द्वारा स्वयं इस सप्ताह के दौरान सक्रिय भुमिका निभाते हुए अन्य सभी को भी इसमें भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। उनके द्वारा स्वास्थ्य देखभालकर्मियों को एंटिमाइक्रोबियल्स को स्वविवेक का उपयोग कर लिखने एवं जनसाधारण को चिकित्सक की उचित सलाह के उपरांत ही उपयोग करने की अपील की गई। डॉ. राजेश मलिक, डीन (अकादमिक) द्वारा समस्त चिकित्सकों से किसी भी रोग के लिए सावधानीपूर्वक एवं सही एंटिबायोटिक, उचित मात्रा एवं अवधि के साथ लिखने की सलाह दी गई। इस सप्ताह के सभी कार्यक्रम डॉ. सागर खडंगा, सहायक प्राध्यापक, जनरल मेडिसिन विभाग, एम्स, भोपाल के सहयोग से आयोजित किए गए जो कि ट्रॉपिकल एवं संक्रामक रोग के संसाधन केंद्र एवं मध्य प्रदेश राज्य की ए.एम.आर. समिति के नोडल अधिकारी भी हैं।

रेजिडेंट्स एवं कनिष्ठ चिकित्सकों में एंटिबायोटिक प्रतिरोध के दुष्प्रभावों के बारे में जागरुकता लाने के लिए व्याख्यान, प्रश्नोत्तरी एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। नर्सिंग छात्र जो कि भविष्य के स्वास्थ्य देखभाल तंत्र की रीढ़ हैं को भी इस दौरान विशेष महत्व दिया गया। एंटिबायोटिक प्रतिरोध एवं इसके

प्रभावों के बारे में जन साधारण को जागरुक करने के लिए नवाचारों का उपयोग किया गया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सहयोग से विभिन्न मिडिया जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

चूंकि मध्य प्रदेश राज्य में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर उच्च है इसलिए एम्स, भोपाल द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), के सहयोग से मध्य प्रदेश राज्य के विभिन्न जिलों के सर्जरी तथा मातृ एवं शिशु देखभाल क्षेत्र के कुशल प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। एम्स भोपाल तथा एनएचएम मध्य प्रदेश द्वारा पशुओं एवं कृषि क्षेत्रों में एंटीबायोटिक औषधियों के उपयोग को कम करने के उद्देश्य से रोडमैप विकसित करने के लिए साथ मिलकर कार्य करने पर सहमति दी गई है।

वर्ष 2020 के लिए नारा "Antimicrobials: handle with care" मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य, खाद्य एवं कृषि तथा अन्य क्षेत्रों पर लागू है। कोविड–19 महामारी के मद्देनजर एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग की भूमिका तथा उसके परिणामस्वरूप रोकथाम की भूमिका अधिक महत्त्वपूर्ण है।

(डॉ.लक्ष्मी प्रसाद)
अपर चिकित्सा अधीक्षक एवं
जन सम्पर्क अधिकारी
दूरभाषः 0755–2832095